भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3891

(दिनांक 18.12.2024 को उत्तर देने के लिए)

आकाशवाणी और दूरदर्शन

3891. डॉ. हेमंत विष्णु सवराः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार हर जिले में कम से कम एक सामुदायिक रेडियो स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण पर काम कर रही है और यदि हां, तो विशेषकर महाराष्ट्र के पालघर जिले के लिए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने जिले में उक्त स्टेशन स्थापित करने के लिए कोई मानदंड निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन का कोई प्रसारण केंद्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या महाराष्ट्र में आकाशवाणी और दूरदर्शन का कोई प्रसारण केंद्र कार्यरत है और यदि हां, तो तत्संबंधी जिलेवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) और (ख): "भारत में सामुदायिक रेडियो अभियान को समर्थन" नामक केंद्रीय क्षेत्र स्कीम के अंतर्गत, देश में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों (सीआरएस) की संख्या बढ़ाने के लिए अनेक पहलें की गई हैं। वर्तमान में, भारत में 308 जिलों में कुल 522 सामुदायिक रेडियो चालू हैं, जिनमें से महाराष्ट्र के 26 जिलों में 58 सामुदायिक रेडियो हैं। पालघर जिले में कोई भी सीआरएस चालू नहीं है। सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में की गई हालिया पहलों के कारण सीआरएस की संख्या में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पात्रता मानदंड और सीआरएस की सूची मंत्रालय की वेबसाइट https://mib.gov.in/broadcasting/community-radio-stations पर उपलब्ध है।

(ग) और (घ): पिछले तीन वर्षों के दौरान, देशभर में आकाशवाणी और दूरदर्शन के 104 रिले स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिनमें महाराष्ट्र के 7 रिले स्टेशन भी शामिल हैं। वर्तमान में, महाराष्ट्र के जिलों में 15 रिले स्टेशन कार्यरत हैं, जिनमें से तीन गढ़चिरौली जिले में और अमरावती, चंद्रपुर, बुलढाणा, गोंदिया, हिंगोली, जालना, नासिक, नंदुरबार, ठाणे, अहमदनगर, वर्धा और वाशिम जिले, प्रत्येक में एक-एक स्टेशन है।

*****